३. संवादहीन

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिऐ।

1. ताई के पास अंत में कौन सहारा बनकर रह गया था?

(i) गनपत ☐ (iii) बेटा ☐

(ii) मिट्ठू ☐ (iv) पड़ोसी ☐

2. मिट्ठू किस प्रकार का तोता था?

(i) आलसी ☐ (iii) बीमार ☐

(ii) कुशाग्र बुद्धि वाला ☐ (iv) शांत ☐

3. ताई मिट्ठू के लिए क्या बनाती थीं?

(i) मिठाई ☐ (iii) खीर ☐

(ii) दाल-भात ☐ (iv) फल ☐

4. ताई दोपहर में मिट्ठू को क्या सुनाती थीं?

(i) गीत ☐ (iii) राम-कहानी ☐

(ii) कहानी ☐ (iv) कविता ☐

5. ताई कुंभ-स्नान के लिए कहाँ जा रही थीं?

(i) हरिद्वार ☐ (iii) प्रयागराज ☐

(ii) वाराणसी ☐ (iv) गया ☐

6. मिट्ठू आखिर कैसे उड़ गया?

(i) दरवाजे से ☐ (iii) रोशनदान से ☐

(ii) खिड़की से ☐ (iv) छत से ☐

7. जगन मास्टर नए तोते को क्या सिखा रहे थे?

(i) गाना ☐ (iii) बोलना (राम-नाम) ☐

(ii) नाचना ☐ (iv) उड़ना ☐

8. कुंभ-स्नान से लौटकर ताई सबसे पहले कहाँ गईं?

(i) सीधे अपने बड़े घर ☐ (iii) जगन मास्टर के घर ☐

(ii) मंदिर ☐ (iv) गनपत के घर ☐

9. मिट्ठू को किसके पास छोड़ा गया?

(i) गनपत ☐ (iii) मास्टराइन ☐

(ii) पड़ोसी ☐ (iv) रिश्तेदार ☐

10. मिट्ठू कहाँ उड़ गया?

(i) घर में ही ☐ (iii) शहर में ☐

(ii) पेड़ों पर ☐ (iv) खेत में ☐

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सहायता बॉक्स से सही शब्द चुनिए।

[स्वतंत्रता, तूफान, समृद्धि, नैया, रौनक, पहाड़ी, गनपत, बेटे, खंडहर, ठंडा]

1. ताई के जीवन में पहले _____ और वैभव था।
2. मिट्ठू एक _____ तोता था।
3. ताई और मिट्ठू गाँव के बीच स्थित बड़े घर के _____ में रहते थे।
4. ताई के घर का सूनापन धीरे-धीरे _____ में बदल गया।
5. मिट्ठू कभी-कभी पिंजड़े में _____ मचा देता था।
6. ताई के लिए मिट्ठू _____ के समान था।
7. जगन मास्टर ने मिट्ठू को _____ देने के लिए पिंजरे का दरवाजा खोला।
8. मास्टराइन ने भोजन _____ होने की शिकायत की।
9. ताई के आने से पहले _____ ने दूसरा तोता लाने का सुझाव दिया।
10. ताई "भगवान! कैसे _____ पार लगेगी?" कहती थीं।

(ग) खंड 'अ' के शब्दों का खंड 'ब' से सही मिलान कीजिए।

Column A	Column B	Ans.
1. ताई	i. स्वतंत्र विचारों वाले	1. ____
2. मिट्ठू	ii. तोता लाने वाला	2. ____
3. जगन मास्टर	iii. अकेली वृद्ध महिला	3. ____
4. गनपत	iv. उड़ने का रास्ता	4. ____
5. रोशनदान	v. टूटा-फूटा पुराना भवन	5. ____
6. खंडहर	vi. कुशाग्र बुद्धि पहाड़ी तोता	6. ____

(घ) प्रत्येक कथन के सामने 'सत्य' या 'असत्य' लिखिए।

1. सुबह मिट्ठू हर हर गंगे बोलकर ताई को जगाता था। – _____
2. धीरे-धीरे ताई का सारा कारबार पराए हाथों में चला गया। – _____
3. ताई अपने बीते जीवन को भूल चुकी थीं। – _____
4. मास्टराइन ने अपने पति से पूछकर मिट्ठू को रखा था। – _____
5. जगन मास्टर स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति थे। – _____
6. जगन मास्टर को पिंजरे में बंद मिट्ठू देखकर अच्छा लगता था। – _____
7. मिट्ठू के उड़ जाने पर जगन मास्टर खुश हो गए। – _____
8. ताई के लौटने पर नया तोता चुप रहा। – _____
9. ताई मिट्ठू को कंजूस के धन की तरह छिपाकर रखती थीं। – _____
10. जगन मास्टर ने जानबूझकर मिट्ठू को मारा। – _____

(ङ) निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ताई अकेली क्यों रह गई थीं?

   उत्तर: _____

   _____

2. ताई को कुंभ-स्नान जाने में क्या समस्या थी?

   उत्तर: _____

   _____

3. जगन मास्टर मिट्ठू को देखकर क्यों बेचैन होते थे?

   उत्तर: _____

   _____

4. जगन मास्टर ने मिट्ठू को बाहर निकालने के लिए क्या उपाय किया?

   उत्तर: _____

   _____

5. मिट्ठू ताई को क्या कहकर आशीर्वाद देता था?

   उत्तर: _____

   _____

6. गनपत ने ताई को दुःख से बचाने के लिए क्या सुझाव दिया?

   उत्तर: _____

   _____

7. कहानी का शीर्षक 'संवादहीन' किस मुख्य समस्या की ओर संकेत करता है?

   उत्तर: _____

   _____

8. जगन मास्टर के सिद्धातों और उनकी भावनाओं के बीच क्या द्वंद्व था?

   उत्तर: _____

   _____

9. कहानी में 'संवाद' की कमी को कैसे दर्शाया गया है?

   उत्तर: _____

   _____

10. मिट्ठू की विशेषता क्या थी?

    उत्तर: _____

    _____

(च) निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

1. ताई के जीवन में आए परिवर्तन का वर्णन कीजिए।

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

   _____

2. मिट्ठू ताई के लिए क्यों महत्वपूर्ण था?

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

   _____

3. ताई और मिट्ठू के संबंधों का वर्णन कीजिए।

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

   _____

4. जगन मास्टर के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए।

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

   _____

5. मिट्ठू के उड़ जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

   _____

6. समाज में वृद्धों की उपेक्षा की समस्या को कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

   _____

(छ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची (समानार्थक) शब्द लिखिए।

1. कुशाग्र - _____ _____
2. वैभव - _____ _____
3. बाधा - _____ _____
4. गुलजार - _____ _____
5. मिजाज - _____ _____
6. वृद्धावस्था - _____ _____

(ज) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए।

1. स्वतंत्रता X _____
2. आशीष X _____
3. सहारा X _____
4. जीवित X _____
5. पराए X _____
6. नौजवान X _____

(झ) नीचे दिए गए शब्द-युग्मों का अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए।

1. चौका-चूल्हा

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

2. दाल-भात

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

3. गाँव-घर

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

4. सीताराम

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

5. उठना-बैठना

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

6. खेल-तमाशा

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

(ञ) नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. नैया पार लगना

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

2. मन हल्का करना

   अर्थ - _____

   वाक्य - _____

(ट) नीचे दिए गए वाक्यों के भेद पहचानिए और लिखिए।

(संकेत: विस्मयादिबोधक, आज्ञावाचक, निषेधवाचक, संकेतवाचक, इच्छावाचक, विधानवाचक, प्रश्नवाचक, संदेहवाचक)

1. मिट्ठू धीरे-धीरे पिंजरे से बाहर आ गया। → _____
2. मिट्ठू अब पिंजरे में रहने को तैयार नहीं था। → _____
3. मिट्ठू कहाँ उड़ गया? → _____
4. अरे! मिट्ठू तो उड़ गया! → _____
5. मिट्ठू आ! मिट्ठू आ!! → _____
6. काश! मिट्ठू हमेशा ताई के पास रहता। → _____
7. शायद मिट्ठू अब कभी वापस न आए। → _____
8. यदि ताई मिट्ठू को साथ ले जातीं, तो वह उनसे कभी दूर नहीं होता। → _____

(ठ) नीचे दिए गए ध्वन्यात्मक शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. गुनगुनाहट - _____
2. खड़खड़ाहट - _____

(ड) निम्नलिखित शब्दों के सटीक अर्थ लिखिए का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. कुशाग्र – अर्थ: _____

   वाक्य: _____

2. तुनकमिजाज – अर्थ: _____

   वाक्य: _____

3. अचकचाना – अर्थ: _____

   वाक्य: _____

4. मशगूल – अर्थ: _____

   वाक्य: _____

(ण) नीचे दिए गए अनुच्छेद से निर्देशानुसार व्याकरणिक तत्वों की पहचान कीजिए और लिखिए।

“ताई अपने मिट्ठू को देखकर बार-बार पुकारतीं और उसे पुचकारते हुए आशीर्वाद देतीं – ‘जीते रहो बेटा, जुग-जुग जिओ।’ मिट्ठू भी खुशी से पंख फड़फड़ाकर ‘खुश रहो, खुश रहो’ कहता।”

1. ऐसा शब्द जो ‘दुखी’ का विपरीतार्थक है : _____
2. ऐसा वाक्यांश जो एक आशीर्वाद सूचक है : _____
3. ऐसा शब्द जो एक क्रिया है : _____
4. ऐसा शब्द जो एक संज्ञा है : _____
5. ऐसा शब्द जो एक सर्वनाम है : _____
6. ऐसा शब्द जो एक विशेषण है : _____
7. ऐसा शब्द जो एक कारक है : _____
8. ऐसा शब्द जो एक कर्ता है : _____

(त) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

'संवादहीन' कहानी केवल ताई और एक तोते की कहानी नहीं है, बल्कि यह आधुनिक समाज के उस कड़वे सच को उजागर करती है जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। आज के इस भागदौड़ भरे जीवन और एकल परिवारों के चलन ने हमारे बुजुर्गों को हाशिए पर धकेल दिया है। बड़े-बड़े शहरों में आलीशान मकानों के बंद दरवाजों के पीछे न जाने कितनी 'ताई' अपनों की एक आवाज़ सुनने के लिए तरस रही हैं। नई पीढ़ी भौतिक सुख-साधनों और पैसे कमाने की अंधी दौड़ में इतनी अंधी हो चुकी है कि वह यह भूल गई है कि बुजुर्गों को केवल रोटी, कपड़ा और मकान नहीं चाहिए। उन्हें सबसे ज़्यादा ज़रूरत हमारे समय, सम्मान और प्रेम की होती है। जब ताई जैसी बेसहारा वृद्धा को अपना मन हल्का करने के लिए एक पक्षी का सहारा लेना पड़ता है, तो यह हमारे पूरे सामाजिक ताने-बाने और हमारी संवेदनाओं पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

प्रश्न:

1. यह कहानी समाज के किस कड़वे सच को उजागर करती है?

   उत्तर: _____

2. नई पीढ़ी भौतिकता की दौड़ में बुजुर्गों के प्रति अपनी किस ज़िम्मेदारी को भूलती जा रही है?

   उत्तर: _____

3. ताई का एक पक्षी से बात करना हमारे समाज की किस कमी को दर्शाता है?

   उत्तर: _____

4. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'संवेदना' का क्या अर्थ है?

   उत्तर: _____

Answer

(क) बहुविकल्पीय प्रश्न:

1. (ii) मिट्ठू
2. (ii) कुशाग्र बुद्धि वाला
3. (ii) दाल-भात
4. (iii) राम-कहानी
5. (iii) प्रयागराज
6. (iii) रोशनदान से
7. (iii) बोलना (राम-नाम)
8. (iii) जगन मास्टर के घर
9. (iii) मास्टराइन
10. (ii) पेड़ों पर

(ख) रिक्त स्थान पूर्ति:

1. समृद्धि
2. पहाड़ी
3. खंडहर
4. रौनक
5. तूफान
6. बेटे
7. स्वतंत्रता
8. ठंडा
9. गनपत
10. नैया

(ग) उचित मिलान:

1 → iii 2 → vi 3 → i 4 → ii 5 → iv 6 → v

(घ) सत्य / असत्य:

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य
6. असत्य
7. असत्य
8. सत्य
9. सत्य
10. असत्य

(ङ) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. ताई के बेटे और परिवार उनसे दूर हो गए थे, इसलिए वे अपने बड़े घर में अकेली रह गई थीं।
2. ताई को कुंभ-स्नान जाने में यह चिंता थी कि उनके जाने के बाद मिट्ठू का ध्यान कौन रखेगा।
3. जगन मास्टर मिट्ठू को पिंजरे में बंद देखकर बेचैन होते थे क्योंकि वे स्वतंत्रता के पक्षधर थे।
4. जगन मास्टर ने मिट्ठू को स्वतंत्र करने के लिए पिंजरे का दरवाज़ा खोल दिया।
5. मिट्ठू ताई को "जुग-जुग जिओ, खुश रहो" कहकर आशीर्वाद देता था।
6. गनपत ने ताई के दुःख को कम करने के लिए नया तोता लाने का सुझाव दिया।
7. यह शीर्षक समाज में संवाद की कमी और बढ़ते अकेलेपन की समस्या की ओर संकेत करता है।
8. जगन मास्टर स्वतंत्रता के सिद्धांतों में विश्वास रखते थे, लेकिन ताई के प्रति सहानुभूति और भावनाएँ उन्हें दुविधा में डाल रही थीं।
9. कहानी में लोगों के बीच बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव की कमी के माध्यम से संवादहीनता को दर्शाया गया है।
10. मिट्ठू एक बुद्धिमान, बोलने वाला और ताई से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ तोता था।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

(च) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. ताई पहले एक समृद्ध और भरे-पूरे परिवार में रहती थीं, जहाँ बच्चे, बहू, नौकर-चाकर और चहल-पहल सब कुछ था। समय बदलने के साथ उनके बेटे-बहू शहर चले गए और बेटियों का विवाह हो गया। धीरे-धीरे उनका पूरा घर सूना हो गया और उनके जीवन में गहरा अकेलापन व नीरसता आ गई। परंतु मिट्ठू के आने से उनका घर फिर से जीवंत हो उठा और उनके जीवन में खुशियाँ लौट आईं।
2. मिट्ठू ताई के एकाकी जीवन का एकमात्र सहारा था। जब ताई के पास बात करने वाला कोई इंसान नहीं था, तब मिट्ठू उनसे बातें करता, उनकी राम-कहानी सुनता और अपनी हरकतों से उनका मनोरंजन करता था। वह उन्हें भावनात्मक संबल देता था। ताई के लिए वह किसी 'कंजूस के धन' की तरह अनमोल बन चुका था, जिसने ताई को फिर से जीने की वजह दी थी।
3. ताई और मिट्ठू के बीच इंसानी रिश्तों से भी गहरा भावनात्मक संबंध था। ताई उसे अपने बच्चे की तरह स्नेह करती थीं और रसोई में काम करते समय भी उसका ध्यान रखती थीं। मिट्ठू भी ताई के बिना बेचैन हो जाता था और उनके आते ही चोंच से हाथ सहलाने लगता था। दोनों के बीच प्यार भरी नोक-झोंक भी होती थी। उनका यह रिश्ता शब्दों का मोहताज नहीं था, बल्कि आपसी आत्मीयता पर टिका था।
4. जगन मास्टर एक सिद्धांतवादी, संवेदनशील और स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति थे। वे किसी भी जीव को बंधन या गुलामी में देखना पसंद नहीं करते थे और दूसरों की आजादी का सम्मान करते थे। वे एक सहृदय इंसान भी थे, यही कारण है कि मिट्ठू को उड़ाने के बाद जब उन्हें ताई के दुःख का अहसास हुआ, तो उनका मन ग्लानि और अंतर्द्वंद्व से भर गया।
5. जगन मास्टर ने मिट्ठू को मुक्त करने के लिए पिंजरे का दरवाज़ा खोला और बाहर दाना बिखेर दिया। शुरू में पिंजरे का आदी हो चुका मिट्ठू बाहर नहीं आया, पर बाद में वह बाहर निकला। कुछ दिनों बाद कमरे का रोशनदान खुला देखकर वह अनंत आकाश में उड़ गया। जगन मास्टर ने उसे पकड़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर उड़ता हुआ अंततः आँखों से ओझल हो गया।
6. यह कहानी आज के एकल परिवारों और भौतिकवादी समाज के कड़वे सच पर चोट करती है। आज की नई पीढ़ी सुख-साधनों की दौड़ में बुजुर्गों की भावनात्मक जरूरतों को भूल गई है। ताई का एक पक्षी से बातें करना यह साबित करता है कि बुजुर्गों को केवल रोटी और छत नहीं, बल्कि हमारा समय, आदर और स्नेह चाहिए। कहानी संदेश देती है कि बुजुर्गों को हाशिए पर धकेलना हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है।

(छ) पर्यायवाची

1. कुशाग्र – तेज, बुद्धिमान
2. वैभव – ऐश्वर्य, समृद्धि
3. बाधा – रुकावट, अवरोध
4. गुलजार – रौनकदार, हरा-भरा
5. मिजाज – स्वभाव, प्रकृति
6. वृद्धावस्था – बुढ़ापा, जरावस्था

(ज) विलोम

1. स्वतंत्रता × पराधीनता
2. आशीष × शाप
3. सहारा × निराश्रय
4. जीवित × मृत
5. पराए × अपने
6. नौजवान × वृद्ध

(झ) शब्द-युग्म

1. चौका-चूल्हा — अर्थ – रसोई का काम-काज, भोजन बनाने की व्यवस्था।
   वाक्य – ताई सुबह से ही चौका-चूल्हा संभालने में लग जाती थीं।
2. दाल-भात — अर्थ – साधारण भोजन (दाल और चावल)।
   वाक्य – गरीब परिवार में रोज़ दाल-भात ही बनता है।
3. गाँव-घर — अर्थ – अपना घर और गाँव, मूल स्थान।
   वाक्य – त्योहारों पर लोग अपने गाँव-घर लौट जाते हैं।
4. सीताराम — अर्थ – भगवान राम और सीता का नाम; अभिवादन के रूप में भी प्रयोग होता है।
   वाक्य – गाँव में लोग मिलते ही एक-दूसरे को "सीताराम" कहते हैं।
5. उठना-बैठना — अर्थ – मेल-जोल रखना, साथ रहना या व्यवहार करना।
   वाक्य – बच्चों को अच्छे लोगों के साथ उठना-बैठना चाहिए।
6. खेल-तमाशा — अर्थ – मनोरंजन, हँसी-मज़ाक या दिखावा।
   वाक्य – यह कोई खेल-तमाशा नहीं, बल्कि गंभीर काम है।

(ञ) मुहावरे — अर्थ और वाक्य प्रयोग — उत्तर

1. नैया पार लगना – काम सफल होना
   वाक्य – मेहनत से उसकी नैया पार लग गई।
2. मन हल्का करना – दुख कम करना
   वाक्य – उसने मित्र से बात कर मन हल्का किया।

(ट) वाक्य भेद

1. विधानवाचक	2. निषेधवाचक	3. प्रश्नवाचक	4. विस्मयादिबोधक
5. आज्ञावाचक	6. इच्छावाचक	7. संदेहवाचक	8. संकेतवाचक

(ठ) वाक्य

1. गुनगुनाहट – कमरे में पंखे की गुनगुनाहट थी।
2. खड़खड़ाहट – सूखी पत्तियों की खड़खड़ाहट सुनाई दी।

(ड) शब्द अर्थ

1. कुशाग्र — अर्थ: बहुत तेज बुद्धि वाला, तीव्र बुद्धि।
   वाक्य: रीना एक कुशाग्र छात्रा है, इसलिए वह हर परीक्षा में अच्छे अंक लाती है।
2. तुनकमिजाज — अर्थ: जल्दी गुस्सा होने वाला, चिड़चिड़ा स्वभाव।
   वाक्य: वह तुनकमिजाज होने के कारण छोटी-छोटी बातों पर नाराज़ हो जाता है।
3. अचकचाना — अर्थ: घबरा जाना या अचानक उलझन में पड़ जाना।
   वाक्य: शिक्षक के अचानक प्रश्न पूछने पर वह अचकचा गया।

4. मशगूल अर्थ: किसी काम में पूरी तरह व्यस्त या लीन होना।
   वाक्य: वह अपने काम में इतना मशगूल था कि उसे समय का ध्यान ही नहीं रहा।

(ण) व्याकरणिक तत्वों की पहचान

1. 'दुखी' का विपरीतार्थक शब्द उत्तर: खुशी
2. आशीर्वाद सूचक वाक्यांश उत्तर: "जुग-जुग जिओ" / "जीते रहो बेटा"
3. क्रिया शब्द उत्तर: पुकारतीं / फड़फड़ाकर / कहता
4. संज्ञा शब्द उत्तर: ताई / मिट्ठू / पंख
5. सर्वनाम शब्द उत्तर: उसे
6. विशेषण शब्द उत्तर: खुश
7. कारक (चिन्ह सहित) उत्तर: को (मिट्ठू को)
8. कर्ता उत्तर: ताई / मिट्ठू

(त) गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर

1. यह कहानी आधुनिक समाज में एकल परिवारों के कारण बुजुर्गों के अकेलेपन, उपेक्षा और उनके जीवन में बातचीत के अभाव (संवादहीनता) के कड़वे सच को उजागर करती है।
2. नई पीढ़ी यह भूलती जा रही है कि बुजुर्गों को केवल भौतिक सुख-सुविधाएँ या रोटी ही नहीं, बल्कि हमारे समय, स्नेह और सम्मान की सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है।
3. ताई का एक पक्षी से बात करना यह दर्शाता है कि इंसानी समाज में अब बुजुर्गों के लिए समय और संवेदनशीलता की भारी कमी हो गई है, जिसके कारण उन्हें पशु-पक्षियों में अपनापन ढूँढना पड़ रहा है।
4. 'संवेदना' का अर्थ है— दूसरों के दुःख-दर्द को महसूस करने की भावना या हमदर्दी।